सर्वकालिक कैलेण्डर

समय निर्बाध रुप से चलने वाला काल चक्र है जिसे मनुष्य ने ग्रहों की गति के आधार पर नापने की चेष्टा की है। वर्ष इसविभाजन की मुख्य इकाई है। यद्यपि वर्षगणना की अनेक प्रणालियों का उल्लेख प्राचीन ग्रंथो के पाया जाता है। किन्तु सौर वर्ष और चंद्र वर्ष ही इनमें सबसे प्रमुख है। वर्ष केप्रारंभ का समय उसकेमाह तथा समय उसके माह तथा माह में तारीखों / तिथियों की संख्या में भिन्नता पाई जाती है। ईसवी सन् सूर्य वर्ष है जो रोमन का में प्रचलित केलेण्डर में अनेक संशोधनो के उपरांत वर्तमान स्वरुप में आया है। इसे जन साधारण द्वारा सरलता से प्रयोग किया जाता है।

प्रस्तावित केलेण्डर के पूर्व अनेक 100 वर्षीय या असी प्रकार के केलेण्डर प्रकाशित होचुके है किन्तु उनमें से अधिकांश में, शताब्दी वाले वर्षो में जिसमें 400 का पूरा भाग लगजावे केवल वही लीप वर्ष होता है, इसका ध्यान नहीं रखा गया है। इसी प्रकार सामान्यर्ष और लीप वर्ष के जनवरी और फरवरी माह को अलग-अलग कालमों में रखा गया है। इसके विपरीत शताब्दी वाले लीप वर्ष का संशोधन करते हुये केलेण्डर में प्रत्येक माह के लिये एक कालम है। वर्ष लीप वर्ष था या नहीं इसकी गणना करने की आवश्यकता नहीं है। वर्ष के लिये निर्धारित 'लाक्षणिक अक्षर' से इसका ज्ञान हो जाता है। इस केलेण्डर द्वारा ईस्वी सन् के वर्तमान स्वरुप के आधार परभूतकाल अथवा भविष्य के किसी भी वर्ष के महीनों में दिन और तारीख का ज्ञान सुगमता से कियाजा सकता है

सारणी देखने के नियम

(1) सारणी में व्यतीत हो गई शताब्दी के नीचे दी हुई खड़ी पंक्ति में वर्ष के सामने का अक्षर उस वर्ष का अक्षर उसवर्ष का लाक्षणिक अक्षर है इसे नोट करिये।

(2) सारणी 2 मेंवर्षो के लाक्षणिक अक्षर और वर्ष के माह दिये गये है। जिस माह की तारीख देखना है उसे सामने लाक्षणिक अक्षर है के नीचे की पंक्ति में जा संख्या आती है वह उस माह की लाक्षणिक संख्या होगी।

(3) सारणी तीन में दायीं ओर तारीखें दी है बायीं ओर लाक्षणिक संख्यायें तथा उनके नीचे दिनों का क्रम दिया है। जिस तारीख का दिन ज्ञान करना है उस तारीख के सामने लाक्षणिक संख्या वाली पंक्ति में जो दिन हो वह उसी तारीख का दिन होगा।

उदाहरण- यदि हमें 2 अक्टूबर 1994 का दिन ज्ञात करना है तो नियम-1 के आधारपर 1994 का लाक्षणिक अक्षर एफ हुआ तथा इस अक्षर के लिये अक्टूबर माह की लाक्षणिक संख्या 6 हुई सारिणी में 3 में 2 तारीख की लाक्षणिक संख्या 6 के नीचे रविवार आया अतः 2-10-1994 को रविवार होगा।

नोट- (1) लीप वर्ष में फरवरी 29 दिन की होती है। लीप वर्षो में लाक्षणिक अक्षर केवल एच.आई.जे.के.एल.एम. और एन रहेगें। अतः केवल अक्षरों वाले वर्षो में ही फरवरी 29 दिन की मानें।

(2) यह कैलेण्डर सारिणी 1 में दी गई शताब्दियों के लिये भी पूर्वकाल के लिये 400 घटाकर बाद की शताब्दियों में 400 जोड़कर उपयोग किया जा सकता है

उदाहरण के लिये 1100 के ऊपर 700, 300 आदि अथवा 2300 के नीचे 2700, 3100 आदि जा सकता है। किन्तु कैलेण्डर जो जानकारी देगा वह वर्ष में माहों और दिनांको के वितरण के वर्तमान स्वरूप पर आधारित होगी।

डॉ. अंबिका प्रसाद अग्रवाल, जबलपुर

महीना	महीना	महीना	अंग्रेजी अक्षर	लीप ईयर	अंग्रेजी अक्षर
जनवरी	अक्टूबर		A B C D E H J	मई	BC D E H J A
31	31			31	
फरवरी	मार्च	नवम्बर	D E H J A B C	जून	E H J A B C
28	31	30		30	
अप्रैल	जनवरी	जुलाई	J A B C D E H		
30	31	31			

सिंधी समाज के अच्छे वर-वधु की हैं तलाश... SINDHI SOCIAL & MATRIMONIAL WEBSITE

तो आईये पंजीयन कराईये व घर बैठे त्रैमासिक पत्रिका एवं इंटरनेट पर जानकारी पाईये

website : www.sarvodayajeevansathi.org
e-mail : drl_sarvodaya@rediffmail.com
Mob. : 098266-89700

सारिणी 1

बीती शताब्दियाँ ↓ / शताब्दी के वर्ष →					1100	1200	1300	1400
					1500	1600	1700	1800
					1900	2000	2100	2200
					2300	2400	2500	2600
00	--	--	--		A	M	E	C
01	29	57	85		B	A	F	D
02	30	58	86		C	B	G	E
03	31	59	87		D	C	A	F
04	32	60	88		L	K	I	N
05	33	61	89		G	F	D	B
06	34	62	90		A	G	E	C
07	35	63	91		B	A	F	D
08	36	64	92		J	I	N	L
09	37	65	93		E	D	B	G
10	38	66	94		F	E	C	A
11	39	67	95		G	F	D	B
12	40	68	96		H	N	L	J
13	41	69	97		C	B	G	E
14	42	70	98		D	C	A	F
15	43	71	99		E	D	B	G
16	44	72	--		M	L	J	H
17	45	73	--		A	G	E	C
18	46	74	--		B	A	F	D
19	47	75	--		C	B	G	E
20	48	76	--		K	J	H	M
21	49	77	--		F	E	C	A
22	50	78	--		G	F	D	B
23	51	79	--		A	G	E	C
24	52	80	--		I	H	M	K
25	53	81	--		D	C	A	F
26	54	82	--		E	D	B	G
27	55	83	--		F	E	H	A
28	56	84	--		N	M	K	I

सारिणी- 2

← दिन →

माह की तारीखें					-1	2	3	4	5	6	7
1	8	15	22	29	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि
2	9	16	23	30	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि	सोम
3	10	17	24	31	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि	सोम	मंगल
4	11	18	25		गुरु	शुक्र	शनि	रवि	सोम	मंगल	बुध
5	12	19	26		शुक्र	शनि	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु
6	13	20	27		शनि	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र
7	14	21	28		रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि

← लीप वर्ष →

↕ लाक्षणिक संख्या

माह	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M	N
जनवरी	1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
फरवरी	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7	1	2	3
मार्च	4	5	6	7	1	2	3	5	6	7	1	2	3	4
अप्रैल	7	1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	7
मई	2	3	4	5	6	7	1	3	4	5	6	7	1	2
जून	5	6	7	1	2	3	4	6	7	1	2	3	4	5
जुलाई	7	1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	7
अगस्त	3	4	5	6	7	1	2	4	5	6	7	1	2	3
सितम्बर	6	7	1	2	3	4	5	7	1	2	3	4	5	6
अक्टूबर	1	2	3	4	5	6	7	2	3	4	5	6	7	1
नवम्बर	4	5	6	7	1	2	3	5	6	7	1	2	3	4
दिसम्बर	6	7	1	2	3	4	5	7	1	2	3	4	5	6

112 वर्ष का कैलेन्डर

कैलेन्डर देखने की विधि- जिस सन् की तारीख आपको देखना हो उस सन् के सामने वाले अंग्रेजी शब्द को महीने दायें बगल वाले खण्डों में देखियेऔर उसी के नीचे की दिन वाली लाइन बायीं तरफ लिखी दिनांक के साथ उपर से नीचे तक उस माह के दिन और दिनांक के साथ उपर से नीचे तक उसमाह के दिन और दिनांक प्रदर्शित करेगी।

ध्यान रखें-जिस सन् में 4 का भाग देने से शेष कुछ न बचे उस सन् की फरवरी 29 दिन की होती है। उस सन् के लिए कोष्टक में लिखी (जनवरी) और(फरवरी) से देखें।